International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.340, Volume 03, No. 02(I), April - June, 2021, pp.213-216

कोविड–19 का राजस्थान के पर्यटन उद्योग पर प्रभाव

डॉ. जगदीश प्रसाद मीना*

सार

कोविड–19 महामारी की वजह से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में ही मंदी का दौर है। भारत भी इस महामारी से बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है, इस वैश्विविक महामारी ने देश की अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया है, इस बीमारी से देश के हर क्षेत्र को नुकसान हुआ है, लेकिन होटल एवं पर्यटन उद्योग को इससे सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। पर्यटन उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। क्योंकि जी.डी.पी. में इस उद्योग का योगदान करीबन 6.8 फीसदी रहता है, भारत में पर्यटन उद्योग में करीब 8.75 करोड़ लोग जुडे है। 2018–19 के ऑकडों के अनुसार यह रोजगार का करीब 12.75 प्रतिशत है। जिसमें होटल उद्योग, ट्यूर ऑपरेटर, ट्रेवल एजेंट, टैक्सी ड्राईवर, गाईड़, छोटे व्यापारी इस उद्योग में कार्यरत है। राजस्थान का पर्यटन उद्योग विश्व प्रसिद्ध है। राजस्थान एक रंग रंगीला प्रदेश माना जाता है राजस्थानी लोग प्रेम से अपने को सुरंगा कहना पसंद करते है, राजस्थान में पर्यटक देश–विदेश से आते है और यहाँ के मरूस्थली क्षेत्र, यहाँ की ऐतिहासिक इमारतें व किलों को निहारते है और इनको देखकर अभिभूत हो जाते है। 1 फरवरी 2021 राजस्थान पत्रिका लेख के अनुसार पर्यटन उद्योग को 50 हजार करोड़ रू. से ज्यादा नुकसान हुआ है। लगभग 20 लाख से ज्यादा लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ था जो इस महामारी से छिन गया और वे बेरोजगार हो गये। पर्यटन से न केवल आमोद–प्रमोद, मनोरंजन, भ्रमण एवं उद्देश्य की पूर्ति होती है, वरन् यह विदेशी मुद्रा अर्जन का साधन, सहयोग, एवं सद्भाव का आधार, रोजगार प्रदान करने वाला उद्योग एवं शैक्षणिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक तथा सामाजिक आदान–प्रदान का भी आधार है, पर्यटन को विभिन्न विद्याओं की दृष्टि से अलग–अलग भूमिका होती है। पर्यटन से रोजगार के साधन बढते है। पर्यटक हमारी सेवाऐं लेता है बदले में विदेशी मुद्रा प्रदान करता है, खर्च करता है। उससे हमारे आधारभूत ढाँचे की सड़क, परिवहन, संचार, विद्युत, पेयजल, उद्योग आदि का विकास होता है। अर्थव्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन होता है।

शब्दकोशः *मंदी, पर्यटन उद्योग, प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, गाईड़, ट्रेवल ऐजेन्ट, प्रभाव।*

प्रस्तावना

कोरोना महामारी की वजह से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था में ही मंदी का दौर है। भारत भी इससे बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है। इस महामारी ने देश की अर्थव्यवस्था को हिला कर रख दिया, इस महामारी ने देश के हर क्षेत्र को नुकसान पहुचाया है, लेकिन होटल एवं पर्यटन उद्योग को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। इस समस्या से बाहर निकलने में वर्षों लग जायेगें, भारत में जितने भी लोग काम करने वाले है उनका करीब 12.75 फीसदी हिस्सा होटल एवं पर्यटन उद्योग में काम करता है।

* सहायक आचार्य–ई.ए.एफ.एम., स्व. राजेश पायलट राजकीय, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बाँदीकुई, दौसा, राजस्थान।

वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिजम काउंसिल के मुताबिक भारत में फिलहाल ट्रेवल एवं टूरिज्म क्षेत्र में करीब 90 लाख राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी बढ़ जायेगी। इसकी वजह यह है कि देश की वर्क फोर्स का करीब 12.75 प्रतिशत हिस्सा अकेले होटल और टूरिज्म उद्योगों में काम करता है। पर्यटन मंत्रालय की 2019–20 की रिर्पोट कहती है कि पर्यटन उद्योग में 8 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को रोजगार दे रखा है। राजस्थान पत्रिका न्यूज नेटवर्क के कॉलम के अनुसार कोविड़ महामारी लॉकडाउन ने पर्यटन उद्योग की कमर तोड दी, जिसका असर देश के राज्यों की माली हालात पर भी पड़ा है। सरकारी आंकडों के मुताबिक देश में 2019 में 1413495 की कमाई हुई पर 2020 में कोरोना के चलते करीब नौ लाख करोड़ का घाटा पर्यटन इंडस्ट्री को हुआ। पूरे विश्व में 28 देश ऐसे है जिनकी पूरी अर्थव्यवस्था ही पर्यटन के ऊपर टिकी हुई है। भारत में भी रोजगार एवं राजस्व में पर्यटन क्षेत्र का योगदान लगभग 12 से 13 प्रतिशत का रहता है।

भारत में प्रतिवर्ष 110 लाख विदेशी पर्यटक आते है एवं विदेशों में रह रहे 60 लाख भारतीय है कुल मिलाकर 170 लाख पर्यटक विदेशों से भारत आते है। भारत में करोडों लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस पर्यटन व्यवसाय से जुडे हुए है। एचौसैम के अनुसार–"इस वैश्विक महामारी से सबसे अधिक असर होटल, टूर एंड ट्रेवल्स, विमानन, खानपान, निर्माण और मनोंरंजन क्षेत्र पर पडा है। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियों गुटेरेस ने कोरोना वायरस और पर्यटन की नीति पर बोलते हुए कहा है कि कौरोना महामारी से वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग को वित्तीय वर्ष 2020 के पहले पाँच महीनों मे 32000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निर्यात का नुकसान हुआ है। पूरे विश्व के पर्यटन उद्योग में 12 करोड़ नौकरियाँ खतरे में है।"

पर्यटक उद्योगपर कोरोना महामारी का प्रभाव

राजस्थान प्रदेश जीवन्त परिदृश्य और शाही विरासत को राजस्थान ऐतिहासिक किलों और महलों, सदियों पुराने मंदिरों और थार रेगिस्तान की वजह से देश के सबसे अधिक लोकप्रिय स्थलों में से एक माना जाता है। प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड ने अपने राजस्थान भ्रमण के दौरान जो कुछ राजस्थान में विभिन्न भागों में देखा था, उसके आधार पर उन्होनें राजस्थान को अत्यधिक रसमय तथा अत्यन्त मुग्ध करने वाला प्रदेश बताया था। इसका वर्णन उन्होंने उनकी पुस्तक 'ट्रेवल्स इन वैस्टर्न इण्ड़िया' में किया था इस प्रदेश के विभिन्न दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर देश–विदेश के पर्यटक मंत्र मुग्ध हो जाते है। राजस्थान पर्यटन उद्योग में कई प्रकार की आर्थिक गतिविधियों का समावेश रहता है यथा अतिथि सत्कार, परिवहन यात्रा, होटल आदि। इस क्षेत्र में व्यापारियों, शिल्पकारों, दस्तकारों, संगीतकारों, कलाकरों, होटलों वेटर कुली परिवहन एवं टूर ऑपरेटरों आदि को रोजगार प्रदान करता है। यह एक प्रदूषण रहित उद्योग है। और इसमें किए गए निवेश की तुलना में यह काफी रोजगार के साधन उपलब्ध करा सकता है। यह माना जाता है कि प्रत्येक आठ विदेशी पर्यटकों पर राज्य में एक व्यक्ति को रोजगार मिलता है। तथा प्रत्येक 30 स्वेदेशी पर्यटकों पर एक व्यक्ति के लिए रोजगार के अवसर खुलते है। पर्यटकों से होटल, परिवहन, हथकरथा उद्योग, दस्तकारियों आदि के विकास को प्रोत्साहन मिलता है, इन्फ्रास्ट्रचर का विकास होने से पर्यटन स्थलों में कई अन्य उद्योग भी पनपते है। इस प्रकार पर्यटन के विकास से प्रत्यक्ष व परोक्ष दोनों प्रकार के रोजगार कि अवसर बढते हैं।

राजस्थान में पर्यटन उद्योग से आय 50 हजार करोड़ से ज्यादा की होती है। इससे राज्य में 20 लाख से ज्यादा लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है। कोरोना महामारी के बाद पर्यटन व्यवसाय में 90 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। महत्वपूर्ण यह है कि पर्यटन से पूरी कमाई पर राज्यों का हक होता था, जो एक वर्ष में थम गई। अब बुरे हालात में अतिरिक्त आय का सबसे बेहत्तर जरिया पर्यटन क्षेत्र को बताया जा रहा है, इसके बावजूद राज्यों ने इस ओर कोई प्रभावी पहल नहीं की है। हालांकि राजस्थान जैसे राज्य के लिए हालात ज्यादा तकलीफ देह है, उन्हे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। यहाँ सैलानियों की संख्या लगातार गिरती जा रही है। 2019 में जहाँ देश में देशी–विदेशी पर्यटकों की संख्या बढी वही राजस्थान में संख्या गिरी है। अब पर्यटकों को लुभाने के लिए राज्यों को ज्यादा मेहनत करनी होगी।

राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से साझा किए गए आंकडों के अनुसार इस वर्ष विदेशी पर्यटकों की संख्या में 2019 की तुलना में 59.54 फीसदी की गिरावट आई है। लॉकडाउन के कारण राजस्थान के होटल कारोबारियों, लोक कलाकारों, वाहन चालकों और टूरिस्ट गाईडों आदि के सामने आजीविका का संकट सा खडा हो गया।

कोरोना महामारी की वजह से हुए लॉकडाउन में सभी उद्योगों की कमर तोड़ दी है। लेकिन सबसे ज्यादा प्रभाव होटल और पर्यटन उद्योग पर पडा है।

- **कोरोना महामारी का लोक संगीतकारों पर प्रभावः** राजस्थान में मांगणियार समुदाय के लोग पैसे और भोजन के लिए पूरी तरह से पर्यटाकों और अन्य उच्च जाति के लोगों पर निर्भर है। मेहमानों का स्वागत करने के लिए होटल एवं रिर्सोट में मांगणियार का कार्यक्रम आयोजन करता है। इस साल पर्यटकों के नहीं आने पर इन कलाकारों के आर्थिक स्त्रोत खत्म हो गये है।
- **ऊँट की सवारी कराने वालों के ऊपर प्रभावः** राजस्थान में ऊँट की सवारी अधिकतर पर्यटक स्थलों पर करवाई जाती है। लेकिन इस बार पर्यटकों के नहीं आने से ऊँट चालक बेरोजगार बैठे हैं ऊँट का भरण पोषण भी नहीं कर पा रहे है।
- **हाथी सवारी पर प्रभाव** : राजस्थान के किलों पर देशी एवं विदेशी पर्यटकों के हाथी की सवारी कराई जाती है। लेकिन पर्यटक नहीं आने से इनका और हाथी का भरण–पोषण करेने का संकट पैदा हो गया है।
- **विदेशी मुद्रा अर्जन में कमीः** विश्व में पर्यटन को एक महत्वपूर्ण उद्योग माना जाता है। भारत को भी पर्यटन से प्रति वर्ष अरबों रूपयों की विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। इसमें राजस्थान का काफी ऊँचा योगदान होता है लेकिन कोरोना महामारी ने इसे कम कर दिया।
- **कलात्मक धरोहरों के संरक्षण पर प्रभावः** पर्यटन से आय नहीं होने से इन विभागों में कार्यरत कर्मचारियों एवं इनकी देखभाल की पूरी व्यवस्था नहीं हो पा रही है।

देश के पर्यटन उद्योगपर कोविड–19 का प्रभाव

कोरोना महामारी से यदि सबसे अधिक प्रभाव पडा है। वह है पर्यटन उद्योग, भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने मे या जी.डी.पी. में इस उद्योग का योगदान करीबन 6.8 फीसदी रहता है। भारत में पर्यटन उद्योग में करीब 8.75 करोड लोग जुडे है। 2018–19 के आंकडों के अनुसार यह रोजगार का करीब 12.75 फीसदी है जिसमें होटल उद्योग, ट्यूर ऑपरेटर, ट्रेवल एंजेंट, ड्राईवर, गाईड़, छोटे व्यापारी सहित कई अन्य सेक्टर शामिल है। जिसमें करोडों लोगों के सामने आजीविका चलाने का संकट पैदा हो गया। इनको आजीविका चलाने के लिए दर–दर की ठोकरें खानी पड़ रहीं है। पर्यटन उद्योग से सीधे तौर पर कई और उद्योग भी जुडे हुए हैं।

वर्ल्ड ट्रेवल टूरिजम काउंसिल के 2019 के आंकडों के आधार पर स्टेटिस्टा ने सर्वाधिक प्रभावित देशों की सूची तैयार की है। सी.एन.एन. के अनुसार इस सूची में सबसे पहले मेक्सिको और उसके बाद स्पेन और इटली जैसे देश आते है। भारत की जी.डी.पी. में इस पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान रहात है। कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित पर्यटन और होटल व्यवसाय के लिए सरकार को एक विशेष कोष बनाना चाहिए और कर्ज अदायगी की छूट को और आगे बढ़ाना चाहिए। यात्रा एवं पर्यटन कोष स्थापित किया जाना चाहिए। आर. बी. आई द्वारा कर्ज अदायगी को एक वर्ष की छूट देनी चाहिए। जी.एस.टी. में भी एक वर्ष की छूट दी जानी चाहिए।

निष्कर्ष

राजस्थान राज्य में भौतिक, सांस्कृतिक आधार पर पर्यटक विकास की असीम सम्भावनाएँ हैं। सांस्कृतिक पर्यटन की विपुल सम्भावनाएँ है लेकिन कोरोना महामारी ने अवरोध पैदा कर दिया है पर्यटन का महत्व अर्थव्यवस्था को सुधारने, सुदृढ़ करने एवं सतत् रखने में अत्यधिक सहयोग करता है। इसमें न केवल गाइड़ एवं

अधिकारी के रूप में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है बल्कि यातायात, होटल, रेस्तरा, सेवा आदि के रूप में उपभोक्ता बनकर उनका उपयोग करता है। बदले में राशि खर्च कर उसे का पुनर्भरण करता है। राजस्थान में पारम्परिक पर्यटन के अलावा साहसिक पर्यटन ने भी अपनी पहचान बनाई है। पर्यटन विभिन्न माध्यमों से प्रकृति के अंचल में फैले हुए कौतूहल को बहुत समीप से देख सकते है। यह खेल तथा साहसपूर्ण कार्य को साथ–साथ बढ़ावा देता है। इस पर्यटन अद्योग को पुनः स्थापित करने के लिए राज्य सरकार को सकारात्मक सोच के साथ–साथ कदम उठाने चाहिए जिसमें यह उद्योग फिर से इस कोरोना महामारी से उबर सकें।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. राजस्थान की अर्थव्यवस्था – लक्ष्मीनारायण नाथूराम का
2. राजस्थान का आर्थिक पर्यावरण – डॉ. बी. पी. गुप्ता
3. भारत की अर्थव्यवस्था – डॉ. ओ. पी. शर्मा
4. भारत में ग्रामीण विकास – डॉ. डी.सी.पन्त
5. राजस्थान का भूगोल – डॉ. एच. एस. शर्मा
6. राजस्थान का सुजस
7. इन्टरनेट
8. इण्डिया टुडे
9. योजना
10. कुरूक्षेत्र
11. दैनिक भास्कर
12. राजस्थान पत्रिका
13. कोविड़–19 पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय बेबीनार

❖◆❖